

अनुवाद

संस्कृत में अनुवाद के साधारण नियम

अनुवाद का लक्षण :- एक भाषा में लिखकर या बोलकर प्रकट किए हुए भावों को दूसरी भाषा में लिखकर या बोलकर प्रकट करना “अनुवाद” कहलाता है। “अनुवाद” शब्द का अर्थ भी यही है- “अनु” = “पीछे” को कहते हैं और “वाद” = “कहने” को। पीछे कहना अर्थात् पहले एक भाषा में कही बात को पीछे दूसरी भाषा में कहना। अनुवाद को ही पंजाबी में “उलथा”, उर्दू में “तर्जुमा” और अंग्रेजी में “ट्रान्सलेशन” कहते हैं।

विविध-वाक्यों का अनुवाद :- भाषा वाक्यों से बनती है और वाक्य शब्दों से। हिन्दी में प्रायः तीन प्रकार के वाक्य मिलते हैं :-

1. सीधे-साधे वाक्य,
2. मुहावरेदार वाक्य,
3. लोकोक्तियाँ।

1. सीधा वाक्य :- इसमें शब्दानुवाद होता है। जैसे :-

स्वराज्य हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

2. मुहावरेदार वाक्य :- इसमें भावानुवाद होता है। जैसे :-

अभिमन्यु का वध सुनकर, अर्जुन लाल - पीला हो गया।

अभिमन्योर्वधमाकर्ण्यार्जुनो नितरां क्रुद्धः।

यहाँ शब्दानुवाद “रक्तपीत”, नहीं किया जा सकता। ऐसा करने पर यह अर्थ नहीं निकलता कि अर्जुन अत्यन्त क्रुद्ध हुआ, बल्कि यही अर्थ निकलता है कि अर्जुन पहले लाल हुआ फिर पीला हुआ।

3. लोकोक्ति :- इसमें दूसरी भाषा की समानार्थक ही लोकोक्तियाँ फबती हैं। यदि व न मिलें तो भावानुवाद से काम चलाना चाहिए। जैसे :-

दूर के ढोल सुहावने।

पर्वता दूरतो रम्याः।

अथवा

दूरस्थ वसतु शोभनम्।

(क) वर्तमान काल (लट् लकार)

1. वर्तमान काल का अनुवाद लट् “लकार” में किया जाता है। जैसे :-

(क) राम पढ़ता है = रामः पठति।

(ख) क्लास में विद्यार्थी पढ़ रहे हैं = श्रेण्यां विद्यार्थिनः पठन्ति।

(ग) बालक कुर्सी पर बैठा हुआ है = बालः आसन्द्यां तिष्ठति (आस्ते)।

2. कर्त्ता के पुरुष और वचन के अनुवाद क्रिया के पुरुष तथा वचन होते हैं। जैसे :-

एकव०

द्विव०

बहुव०

प्र० पु० सः पठति

तौ पठतः

ते पठन्ति

म० पु० त्वम् पठसि

युवां पठतः

यूयं पठथ

उ० पु० अहम् पठामि

आवां पठावः

वयं पठामः

संस्कृत में अनुवाद करो :-

(क) 1. गङ्गा बहती है। 2. पिता की आज्ञा से राम वन को जाता है। 3. फल आने पर वृक्ष की शाखाएं झुक जाती हैं। 4. आर्य लोग हवन से पूर्व तीन आचमन करते हैं। 5. वे दो भगवान् की पूजा करते हैं। 6. सुपुत्र अपने माता-पिता की रक्षा करता है। 7. वृक्ष पर तीन पक्षी बैठे हैं। 8. दो और दो चार होते हैं। 9. आज छात्र संस्कृत का अध्ययन ध्यान से नहीं करते। 10. हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है।

(ख) 1. तुम दोनों कहाँ रहते हो ?

2. तू क्या ईश्वर को याद करता है ?

3. तुम सब गुरु को प्रणाम क्यों नहीं करते ?

4. तुम न देते हो न हो स्वयं खाते हो ?

5. क्या तुम कृष्ण के पास बैठते हो ?

6. क्या तुम सुबह घूमने जाते हो ?

7. शीला के साथ तू स्कूल क्यों नहीं जाती ?

8. क्या तू बूढ़ों की आज्ञा का पालन करता है ?

9. तुम सब पढ़कर खेलते हो।

10. तुम इस प्रकार झूठ क्यों बोलते हो ?

(ग) 1. मैं सदा माता-पिता और गुरु को प्रणाम करता हूँ।

2. हम वेद को अपना धर्म ग्रन्थ मानते हैं।

3. हम सब अलग-अलग पढ़ते हैं।

4. मैं प्रतिदिन गाय का दूध पीता हूँ।

5. हम सब मीठी वाणी बोलते हैं।

6. हम सब अन्न खाते हैं, माँस नहीं।

7. रमा मेरी बहिन है, मैं उसके साथ खेलता हूँ।

8. गाय हमारी माता है, हम उसका दूध पीते हैं।

9. मैं प्रतिदिन अपने खेत का काम करता हूँ।

10. हम दोनों युद्धक्षेत्र में शत्रुओं को जीतते हैं।

